राष्ट्रीय वेबिनार

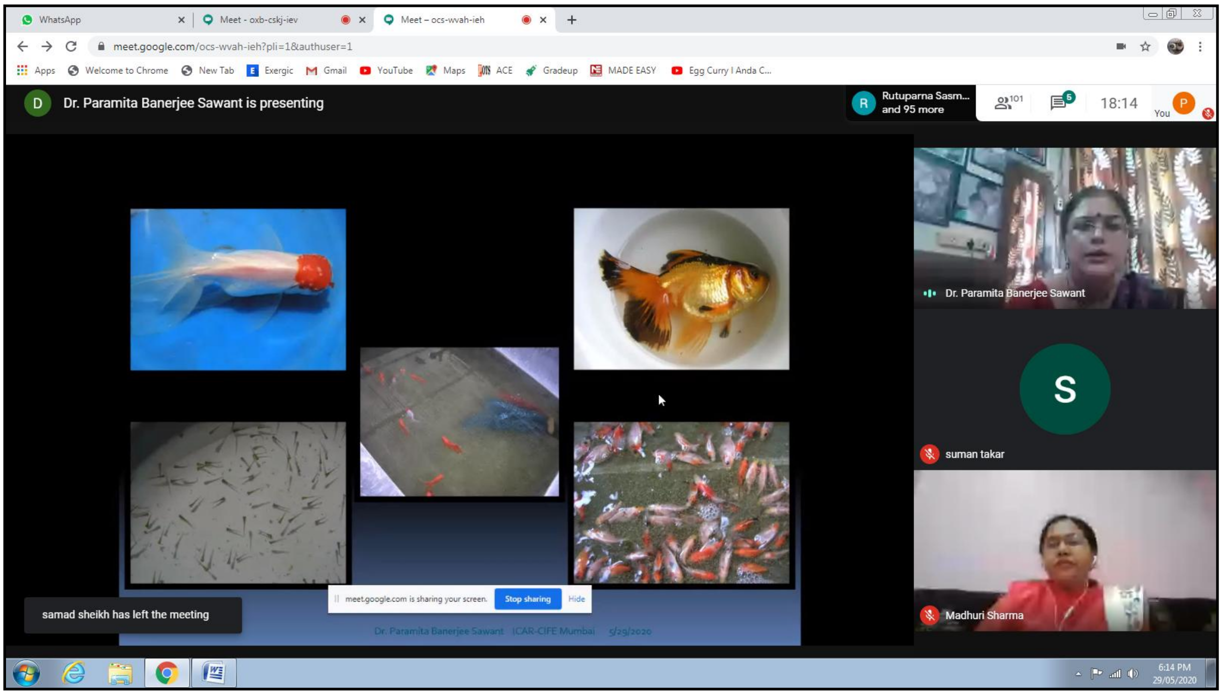

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार "रंगीन (एक्वेरियम) मछलियों का व्यापार एवं उनके प्रजनन प्रबंधन" का आयोजन हुआ। वेबिनार के प्रारंभ में डॉ. बी.के. दास, ए. निर्देशक, (अंतःजलीय), आई. सी. ए. आर., बैरकपुर (कोलकाता) द्वारा प्रतिभागियों को विशिष्ट संदेश दिया गया। इस वेबिनार में मुख्य वक्ता डा. अर्चना सिन्हा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सिफरी, बैरकपुर (कोलकाता) द्वारा "मीठे जल में पाली जाने वाली रंगीन मछलियों का प्रबंधन" तथा "देश में रंगीन मछलियों का व्यापार", डॉ. परोमिता बैनर्जी सावंत, वरिष्ठ वैज्ञानिक, केन्द्रीय मात्स्यिकीय संस्थान, मुंबई द्वारा "रंगीन मछलियों का प्रजनन एवं प्रबंधन" तथा डॉ. अतुल कुमार जैन, निर्देशक, ओ.एफ.टी.आर.आई., उदयपुर, राजस्थान द्वारा "रंगीन मछलियों के क्षेत्र में उद्यमिता (इन्टरप्रोन्यूरशिप) विकास की संभावनाएँ" पर आनलाइन व्याख्यान दिये गये। वेबिनार के दूसरे दिन डॉ. बी.पी. मोहन्ती, ए. डी.जी. फिशरीज (अंतःजलीय), आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली, द्वारा प्रतिभागियों को विशिष्ट संदेश दिया गया। जिसमें उन्होंने कहा कि

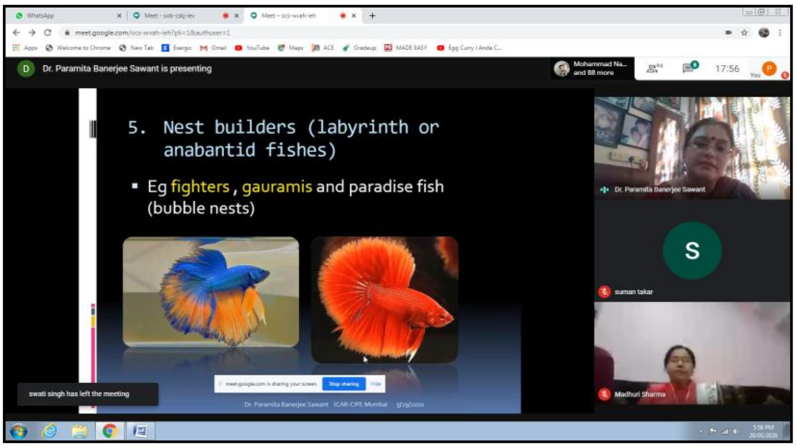

इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करते रहना चाहिए, जिससे जागरूकता आती है तथा भारत सरकार द्वारा जो योजनाएँ दी जा रहीं हैं, उनसे इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएँ हैं। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. माधुरी शर्मा द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश में अलंकारिक मछलियों के क्षेत्र में रोजगार की अच्छी संभावनाएँ हैं। इस वेबिनार में देश के विभिन्न 23 राज्यों से 400 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीयन किया उनमें से चयन किया गया। इस कार्यक्रम में यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) एस. पी. तिवारी जी के मार्गदर्शन में एवं कोर्स डॉयरेक्टर डॉ. आर.पी.एस. बघेल, अधिष्ठाता संकाय एवं अधिष्ठाता, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. माधुरी शर्मा, सह–समन्वयक डॉ. प्रीति मिश्रा रहीं एवं विशेष सहयोग डा. शरद सुरनार का रहा।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर